

सुरालय पुं. (तत्.) 1. देवताओं का निवास स्थान, स्वर्ग 2. सुमेरु पर्वत 3. देव मंदिर 4. वह स्थान जहाँ सुरा या मदिरा मिलती हो, शराबखाना।

सुरालिका स्त्री. (तत्.) सातला या सप्तला नाम की बेल जो जंगलों में होती है, इसके पत्ते छोटे-छोटे होते हैं, इसका फल पीले रंग का होता है, इसकी फली में काले बीज होते हैं जिससे पीत दूध निकलता है। वैद्यक के अनुसार यह लघु-तिक्त, कफ पित्त, विस्फोट और शोथ का नाश करने वाली होती है।

सुराव पुं. (तत्.) 1. सुंदर नाद या गर्जन 2. उच्च नाद या गर्जन।

सुरावट पुं. (तद्.) 1. गायन विद्या में स्वरों का सुंदर या उचित रूप से उतार-चढ़ाव, स्वरों का आरोह-अवरोह 2. सुरीलापन।

सुरावती/सुरावनि स्त्री. (तत्.) कश्यप की पत्नी तथा देवताओं की माता अदिति।

सुरावरि पुं. (तत्.) दे. सुराब्धि।

सुरावास/सुराश्रय पुं. (तत्.) दे. सुरालय।

सुरावृत्त पुं. (तत्.) सूर्य या सूरज।

सुराष्ट्र पुं. (तत्.) 1. उत्तम या श्रेष्ठ राष्ट्र 2. वैभव संपन्न और संगठित राष्ट्र 3. सुसंस्कृत और उच्च सभ्यता का राष्ट्र 4. किसी के मत में यह सूरत और किसी के मत में काठियावाड़ है।

सुराष्ट्रज वि. (तत्.) सुराष्ट्र या सौराष्ट्र देश में उत्पन्न पुं. 1. सुराष्ट्र या सौराष्ट्र की मिट्टी विशेष 2. गोपीचंद।

सुरासंधान पुं. (तत्.) शराब चुआने की क्रिया।

सुरासव पुं. (तत्.) 1. तीव्र प्रभावशाली सुरा या शराब जैसे- ब्रांडी, रम या व्हिस्की आदि 2. अलकोहल नामक तरल पदार्थों का एक प्रकार रसा.वि. यह मेथिल अल्कोहल होता है। यह पेय नहीं बल्कि विषैला होता है, इसे सामान्यतः स्पिरिट कहा जाता है, सुगंधियों में मिलाकर औषधियों को तैयार करने तथा तेज आँच पैदा

करने वाले जलावन आदि के रूप में सुरासव का उपयोग होता है।

सुरासुर पुं. (तत्.) सुर और असुर, देवता और दानव।

सुरासुर-गुरु पुं. (तत्.) 1. शिव 2. ऋषि कश्यप।

सुरास्पर पुं. (तत्.) 1. देवताओं का गृह या घर, देवगृह 2. मंदिर, देव मंदिर।

सुराही स्त्री. (अर.) 1. मिट्टी का बना एक विशेष प्रकार का प्रसिद्ध पात्र जिसमें पीने का पानी रखा जाता है, इसका ऊपरी भाग लंबा और पतला होता है तथा बीच का भाग-बड़ा मोटा तथा नीचे का भाग छोटा होता है।

सुराहीदार/सुराहीनुमा स्त्री. (अर.) 1. सुराही के समान आकृति वाली वस्तु जैसे- सुराहीनुमा गर्दन 2. सुराही की तरह की गोल और लंबोत्तर वस्तु।

सुराह्वय पुं. (तत्.) 1. एक विशेष प्रकार का पौधा 2. देवदारु वृक्ष।

सुराह्व पुं. (तत्.) 1. देवदारु वृक्ष 2. मरुआ, मरुवक 3. हरिद्र, हल-दुआ।

सुरिय पुं. (तद्.) देवराज इंद्र।

सुरियाखार पुं. (फा.+तद्) शोरा।

सुरिवत वि. (देश.) सूखा हुआ, शुष्क वि. सुखी।

सुरिवता स्त्री. (तत्.) सुखी होने की अवस्था या भाव, सुख, आनंद।

सुरिवत्त्व पुं. (तत्.) सुरिवता। सुख, आराम, चैन, आनंद।

सुरिवर पुं. (तद्.) साँप के रहने का बिल, बाँबी।

सुरी स्त्री. (तत्.) 1. देवांगना 2. अप्सरा।

सुरीति स्त्री. (तत्.) अच्छी, श्रेष्ठ या सुंदर रीति, विलो. कुरीति।

सुरीला वि. (तत्.+तद्.) 1. मीठा, कोमल, मधुर 2. कोमल स्वर, आलाप या तान वाला 3. सुंदर कंठ